मुझसे अधम अधीन उबारे

मुझसे अधम अधीन उबारे न जाएँगे,
तो आप दीनबंधु पुकारे न जाएँगे।

जो बिक चुके हैं और ख़रीदा है आपने
अब वह गुलाम ग़ैर के द्वारे न जाएँगे।
पृथ्वी के भार आपने सौ बार उतारे,
क्या मेरे पाप भार उतारे न जाएँगे।

खामोश हूँगा मैं भी गर आप ये कह दो,
अब मुझसे पातकी कभी तारे न जाएँगे।
तब तक न चरण आपके संतोष पाएँगे,
दृग 'बिन्दु' में जब तक ये पखारे न जाएँगे।

सिंगर पं. कौशल तिवारी

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/34382/title/mujhse-adham-adhin-ubhare

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |